वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 113 | सोमवार 21 अगस्त 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में निकली बूढ़ी तीज माता की सवारी

राजसी ठाठ-बाठ के साथ नगर भ्रमण पर निकलीं, आमिर खान के किरदार में पहुंचा कलाकार

जयपुर. कासं

जयपुर में धूमधाम के साथ आज बूढ़ी तीज की सवारी निकाली गई। जयपुर के पूर्व राजपरिवार के सदस्यों ने तीज माता की पूजा की। उसके बाद सवारी सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से तालकटोरा के लिए राजसी ठाठ-बाठ के साथ रवाना हुई। इस दौरान तीज माता की सवारी निकलने से पहले कलाकार अलग-अलग प्रस्तुतियां दी। एक कलाकार आमिर खान की फिल्म पीके के किरदार में पहुंचा। दरअसल, बूढ़ी तीज माता की सवारी जनाना ड्योढी से शुरू होकर त्रिपोलिया गेट, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, गणगौरी बाजार होते हुए चौगान स्टेडियम से तालकटोरा पहुंची। तालकटोरा की पाल पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया। सवारी को देखने आने वाले पर्यटकों के बैठने के लिए टूरिज्म डिपार्टमेंट की ओर से त्रिपोलिया गेट के सामने हिंदू होटल की दुकानों के ऊपर बैठने की व्यवस्था रही। इसमें अलग-अलग जोन बनाए गए। तीज माता की सवारी देखने भीलवाड़ा से जयपुर पहुंची अक्षदा, पूर्वा और नेहा ने बताया- तीज की सवारी बहुत अच्छी लगी। ऐसा त्योहार पहले कभी नहीं देखा था। सिर्फ इंटरनेट से पता चला। देश के बाहर इंटरनेट पर ऐसी परेड देखते थे। पहली बार अपने देश में ऐसी सवारी देखी है।

कलाकार दे रहे प्रस्तुतियां

तीज माता की सवारी के आगे प्रसिद्ध कालबेलिया, गैर नृत्य, बहरूपिया, मशक वादन, कठपुतली नृत्य, कच्छी घोड़ी और अलग-अलग बैंड ग्रुप व अनेक लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी। महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय ने 1727 में तीज की सवारी भव्य लवाजमे के साथ निकालना शुरू किया था। तीज माता की भव्य मूर्ति यानी देवी पार्वती स्थायी रूप से सिटी पैलेस में ही रहती हैं। साल में 2 दिन तीज माता की सवारी निकलती है। सावन के शुक्ल पक्ष की तृतीया पर तीज माता कहा जाता है और सावन शुल्क पक्ष चतुर्थी को उन्हें 'बूढ़ी' (पुरानी या वरिष्ठ) तीज माता माना जाता है। चांदी की पालकी में तीज माता विराजमान होती हैं।

आयंबिल के रूप मे मनाया श्रमण के दित्तीय पटट्धर का जन्म जयंती समारोह

यथा नाम,यथा गुण रत्न थे आचार्य आनंद ऋषि जी : महासती धर्मप्रभा

चैन्नई. शाबाश इंडिया। यथा नाम,यथा गुण रत्न थे आचार्य आनंद ऋषि जी एवं उपाध्याय केवल मुनि जी। रविवार साहूकार पेठ के मरूधर केसरी दरबार मे महासती धर्मप्रभा ने श्रमणसंघ के दित्तीय पटट्धर आचार्य आनंद ऋषि जी उपाध्याय केवल मुनि महाराज की जन्म जयंती समारोहों मे गुणगान करतें हुए कहा कि आचार्य श्री ने साधारण परिवार मे जन्म लेकर श्रमणसंघ के महानायक बने और जैन धर्म की चहु दिशाओं मे अलख जगाई।सूर्य कि तरह तेजस्वीमान और चंद्रमा की तरह शीतल,शांत प्रशांत,गंभीर सरल व्यकितत्व के धनी तो थे ही साथ ही जैन समाज के अलावा छत्तीस ही कौम के लोग आचार्य श्री को भगवान कि तरह मानते थे उनके आचरण मे समग्र विश्व की पवित्रता समाहित थी। उनके जीवन मे भगवान महावीर का अनेकांत वाद,गौतमबुद्ध का करूणावाद,श्रीराम की मयार्दा और वासुदेव श्रीकृष्ण के योग के साक्षात दर्शन हो जाते थे। उन्होंने सदैव जोड़ने में विश्वास किया तोड़ ने नहीं। उनकी साधना के प्रभाव से उन्हें स्पर्श लब्दि व वचन सिध्दी जैसी सिध्दीया प्राप्त थी इतने पड़े पद पर होने के बावजुद आचार्य श्री धनी हो या निर्धन,साक्षर हो या निरक्षर,संत हो या गृहस्थ,सभी के साथ उनका माधुर्य पूर्ण व्यवहार रहा अपने युग के अद्वितीय महान आचार्य रहे। साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि आचार्य श्री मे समाज के सर्वतोमुखी विकास के लिए, कुरीतियों के निवारण के लिए जैन समाज को अनेकों हितकारी योजनाएँ दी।उन्होंने दीर्घ काल तक चतुर्विध संघ कुशल संचालन किया। मात्र 13 वर्ष की अल्पायु में संयम के कठोर मार्ग पर अग्रसर होकर जिनशासन की लम्बे समय तक धर्म प्रभावना की। संयम के पथ पर चलते हुए कई परिषहो का सामना करना पड़ा। मगर आप कभी घबराए नही बल्कि कष्टों और परिषहो को झेलते हुए और श्रमणसंघ को एकता के सूत्र मे पिरोकर सभी को सत्य,अहिंसा और धर्म का सदमार्ग दिखाया। इस पावन पवित्र अवसर पर नो ,आठ पाचं उपवास के अलावा श्रावक श्राविकाओ ने 221 आयंबिल की तपस्या करके आचार्य श्री के जन्म दिवस पर श्रध्दां के पुष्प अप्रित किये। जन्म जयंती समारोहों के लाभार्थी परिवार चन्दप्रकाश, सुनिल, दिनेश तालेड़ा का श्री एस.एस.जैन संघ साहूकार पेठ के अध्यक्ष एम.अजितराज कोठारी, कार्याध्यक्ष महावीर सिसोदिया, सज्जनराज सुराणा, हस्तीमल खटोड़, पदमचन्द ललवानी, सुरेशडूगरवाल माणकचन्द खाबिया, बादल चन्द कोठारी, जितेन्द्र भंडारी, मोतीलाल ओस्तवाल, महावीर कोठारी, शांति लाल दरड़ा, देवराज लुणावत, अशोक सिसोदिया, शम्भूसिंह कावड़िया,तारेश बेताला आदि सभी पदाधिकारियों ने लाभार्थी परिवार एवं तपस्वियो को शोल माला पहनाकर बहूमान किया। इसदौरान उपनगरों के.धर्मीचन्द कांठेड़, नेमीचंद कुंकुलोल, पूरण कोठारी, नेमीचंद कोठारी, महावीर गादिया प्रसन्नचन्द्र दुग्गड़,कांतिलाल छल्लाणी, शिवलाल आदि अनेक अतिथीयो की जन्म जयंती समारोह मे उपस्थित रही श्री संघ के कार्याध्यक्ष महावीर सिसोदिया महामंत्री सज्जनराज सुराणा ने आचार्य श्री की जन्म जयंती पर अपने विचार व्यक्त रखे।

राम व सीता के आदर्शों को जीवन में अपनाएं : मोनी महाराज

सीकर. कासं। कुदन श्रीमती शान्ति देवी श्री ब्रजमोहन सामुदायिक भवन कुदन में चल रही 9 दिवसीय राम कथा का समापन हुआ। राम कथा में खासकर महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। समापन पर गांव में शोभा यात्रा निकाली गई जिसमें ग्राम वासियों तथा दुसरे गांव से आये हुए भक्तों का जबरदस्त उत्साह देखा गया। भक्तों ने देश भक्ति के गीतों पर नाचते गाते हुए शोभा यात्रा निकाली संत सुखदेव दास मोनी जी ने भक्तों को राम व सीता के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया तथा माता पिता की सेवा करने का वचन लिया समस्त भक्तों ने मोनी महाराज का माला पहनाकर विधाई दी यह आज नो दिन तक चली इसमें सरपंच प्रतिनिधि सुलतान सुंडा भंवरलाल चादपोता मदन जी सुडा भागीरथ मिल बनवारी भाटी गोपाल शर्मा बजरंग चादपोता महेश चादपोता नोपजी शेखावत नेमीचंद सुडा बाबुलाल सोनी मनोज शर्मा कालु सोनी आदि उपस्थित रहे। मुनी देवी ने सभी भक्तों का आभार जताया। सुशीला शर्मा ने बताया कि कथा सुनकर बहुत आनन्द आया।

पारसनाथ भगवान के जीवनी पर प्रश्नोत्तरी का विमोचन

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया। जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर 1008 भगवान पारसनाथ भगवान का निर्वाण महोत्सव बहुत ही धूमधाम से 23 अगस्त को श्री दिगंबर जैन मंदिर में बहुत ही धूमधाम से मनाया जाएगा। इसी कड़ी में परम पूज्य अध्यात्म योगी मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के मंगल आशीर्वाद से झुमरी तिलैया में प्रथम बार पारसनाथ भगवान की जीवनी पर एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का विमोचन मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज के सानिध्य में समाजसेवी सुशील-शशि छाबड़ा के परिवार के द्वारा किया गया इस प्रश्नोत्तरी को 22 अगस्त तक जमा करना है 23 अगस्त को इसका परिणाम घोषित किया जाएगा। मुनि श्री ने कहा हमारा उद्देश्य भगवान के जीवनी को बताना है। भगवान की जीवनी पढ़ने से उनके जीवन में हुई घटित बाते को सभी जाने और अपने जीवन मे उतारकर अपने जीवन को धन्य बनाते हुवे संयम मार्ग पर चल कर मोक्ष मार्ग की ओर कदम बढ़ाना है। आगे कहा कि इस तरह का आयोजन होते रहने से लोगों में धर्म के प्रति जागरूकता रहेगी और धर्म की जानकारी सभी को होते रहेगी। इस विमोचन में विशेष रूप से राज-मीरा छाबडा, सुनील-रानी छाबडा,के अलावा कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस प्रतियोगिता के संयोजक सुनीता सेठी, चातुर्मास संयोजक नरेंद्र झांझरी, मंत्री ललित सेठी के अलावा समाज के सेकड़ो लोग उपस्थित थे।

कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार अजमेरा,नविन जैन।

विनोद जैन एडवोकेट चकवाड़ा जैन राजनीतिक चेतना मंच जिला दूदू के बने अध्यक्ष

दूदू. शाबाश इंडिया

जैन राजनैतिक चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष हुकम काका जैन की अनुशंसा पर मंच के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश चेलावत ने एडवोकेट विनोद जैन चकवाडा की समाज के प्रति सराहनीय सेवाओं और कार्यकुशलता को देखते हुए राष्ट्रीय नेतृत्व की सहमति से विनोद जैन चकवाडा को जैन राजनैतिक चेतना मंच जिला दूदू के अध्यक्ष पद पर मनोनयन किया है। मंच के प्रदेश प्रवक्ता राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया की। विनोद जैन को अध्यक्ष बनाये जाने पर न्यायाधीश एन.के .जैन, पूर्व भाजपा जिला उप प्रमुख पदमचंद जैन,सकल दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष विमल जैन छाबड़ा दूदू, एडवोकेट प्रमोद जैन, प्रकाश बोहरा, भंवरलाल काला, पदमचंद अजमेरा दूदू, मोजमाबाद जैन समाज के अध्यक्ष अशोक बोहरा , दीपचंद भंवसा, सुकुमार बोहरा, अशोक गोधा मोजमाबाद , धर्मगुणामृत ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी ताराचंद जैन स्वीट कैटरर्स, अध्यक्ष अशोक जैन अनोपडा जयपुर, गुण सागर महाराज के संघपति विमल जैन बड़जात्या मदनगंज किशनगढ़, समाज सेवी नरेंद्र कुमार जैन गंगवाल , गुणस्थली के प्रवक्ता जयकुमार गंगवाल, हरकचंद गंगवाल, राजेंद्र काका चकवाड़ा,चौरू दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष लक्ष्मण कासलीवाल , महावीर बाकलीवाल, एडवोकेट पंकज जैन चोरू, एडवोकेट राजेंद्र बज नीमेडा,समाजसेवी सोहन लाल झंडा, मोहनलाल झंडा, कैलाश कलवाड़ा, अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा, सरावगी समाज फागी के अध्यक्ष महावीर अजमेरा, फागी पंचायत समिति के पूर्व प्रधान सुकुमार झंडा, पूर्व प्रधान महावीर प्रसाद जैन, चातुर्मास समिति फागी के अध्यक्ष अनिल कठमाना, विनोद जैन कलवाड़ा तथा जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा सहित उपखंड के सारे समाज ने बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप वीर ने सदस्यों को दिखाई फिल्म

जयपुर. शाबाश इंडिया

रविवार को दि. जैन सोशल ग्रुप वीर, जयपुर के सदस्यों हेतु फन सिनेमा, टाइम्स स्क्वायर, विद्याधर नगर में ''गदर -2'' मूवी का शो रखा गया। ग्रुप अध्यक्ष नीरज जैन एवं सचिव पंकज जैन ने बताया कि ग्रुप के सदस्यों ने सपरिवार मूवी का आनंद लिया।

शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना का हुआ सम्मान

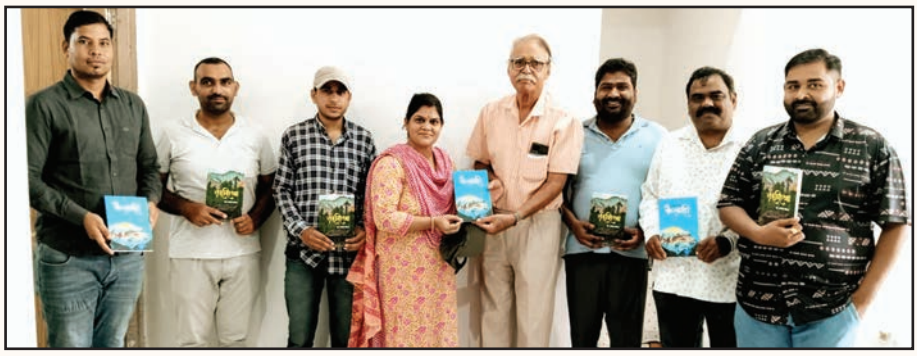

बीकानेर. शाबाश इंडिया

अखिल आदिवासी मीणा महासभा राजस्थान, बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन बीकानेर व शिक्षक संघ एलीमेंट्री सैकंडरी टीचर एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से मुरलीधर व्यास कॉलोनी में कार्यक्रम आयोजित करके शिक्षाविद् एवं राजस्थानी व हिन्दी भाषा की साहित्यकार डॉ.कांता मीना का सम्मान किया। डॉ.मीना द्वारा दो पुस्तकें कविता संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरुशिखा का प्रकाशन हों चुका है व लेखन कार्य जारी है। डॉ.मीना स्वतंत्रता दिवस पर नगर निगम बीकानेर द्वारा शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए जिला स्तर पर सम्मानित हुई है। सम्मान समारोह में डॉ.मीना ने सभी को अपनी दोनों पुस्तकें भेंट की। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने डॉ.मीना को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम अखिल आदिवासी मीणा महासभा राजस्थान के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीणा, बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन के सचिव एडवोकेट हनुमान शर्मा,कोषाध्यक्ष एसएस शर्मा सत्यवीर जैन, एडवोकेट व कांग्रेस युवा नेता अंकुर शुक्ला,शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर बिश्नोई, जिलाध्यक्ष सीता राम डूडी, जिला सभाध्यक्ष गोपाल शर्मा,जिला महामंत्री पवन शर्मा, जिला वरिष्ट उपाध्यक्ष संजीव कुमार यादव आदि मौजूद रहें।

सामाजिक कार्यों के लिए समाज रत्न सम्मान से सम्मानित सोशल एक्टिविस्ट दीप कंवर

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित समाज रत्न सम्मान श्री भैरू सिंह शेखावत सभागार, राजस्थान चेंबर ऑफ कॉमर्स जयपुर में आयोजित किया गया। जयपुर निवारू रोड निवासी सोशल एक्टिविस्ट एवं नेचर लवर दीप कंवर को उनके उत्कृष्ट सामाजिक एवं पर्यावरण संरक्षण कार्यों के लिए समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें सामाजिक कार्यों की प्रेरणा अपने ससुर स्वर्गीय महेंद्र सिंह चौहान से मिली। वह हमेशा से ही निस्वार्थ भाव से सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाते थे उन्हीं के नक्शे कदम पर चलते हुए उन्होंने यह मकाम हासिल किया। उन्होंने इस सम्मान के लिए राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के संस्थापक एवं कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर कमल लोचन एवं कार्यक्रम सह- संयोजक श्याम विजय , रितु लोचन एवं सभी पदाधिकारियों को समाज रत्न सम्मान के लिए चयनित करने एवं सम्मानित करने के लिए आभार व्यक्त किया है दीप कंवर का मानना है कि महिलाओं का आत्मनिर्भर होना जरूरी है इससे जिंदगी को दिशा, समझ एवं खुशी मिलती है महिलाओं का वित्तीय आत्मनिर्भर होने से आत्मविश्वास पैदा होता है उनके अनुसार सपनों को टूटने ना दे। अपने अंदर की आवाज सुने एवं आत्मनिर्भर बनकर अपनी ख्वाहिश को पूरा करें। वह हमेशा से ही महिला सशक्तिकरण पर बल देती रही है। महिलाएं समाज में हमेशा से ही एक चेंजमेकर करके रूप में उभर कर आई है। उनके अनुसार महिलाओं का राजनीति में भी आगे आना चाहिए। कार्यक्रम के मौके पर मौजूद उनकी सास रसाल कंवर एवं उनके पिता केसरी सिंह नरूका ने राजस्थान जन मंच ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

वेद ज्ञान

जितनी बड़ी जिम्मेदारी, उतना विकास

बाढ़ तथा बहती हुई नदी में यह अन्तर है कि बहती हुई नदी का पानी एक विशेष दिशा में बहता है, जबकि बाढ़ की अवस्था में पानी बिना किसी क्रम के दिशाविहीन होकर बहता है। इसी प्रकार हमारे जीवन में यदि ऊर्जा को कोई दिशा नहीं प्रदान की जाती तो यह दिग्भ्रमित हो जाती है। जीवन की ऊर्जा के प्रवाह के लिए एक दिशा की आवश्यकता होती है। जब तुम प्रसन्न होते हो तो तुम्हारे अन्दर अत्यधिक जीवन ऊर्जा होती है, लेकिन जब जीवन ऊर्जा यह नहीं जानती है कि कहां और कैसे जाना है तब यह अवरुद्ध होकर जड़ हो जाती है। जिस प्रकार जल की धारा को बहते रहना है उसी प्रकार जीवन की धारा को भी चलते रहना है। जीवन ऊर्जा को एक दिशा में चलने के लिए वचनबद्धता आवश्यक है। जीवन बचनबद्धता के साथ चलता है। एक विद्यार्थी किसी स्कूल या कॉलेज में एक बचनबद्धता के साथ प्रवेश लेता है। तुम डॉक्टर के पास बचनबद्धता के साथ जाते हो कि डॉक्टर जो कुछ उपचार बताता है, उसको सुनते हो या उसके द्वारा दी गई औषधि को लेते हो। बैंक एक बचनबद्धता के साथ कार्य करते हैं। सरकार भी एक बचनबद्धता के साथ कार्य करती है। यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि एक परिवार भी बचनबद्धता के साथ चलता है, मां बच्चे के साथ प्रतिबद्ध है व बच्चा अपने मां- बाप के प्रति प्रतिबद्ध है। पति पत्नी के साथ और पत्नी पति के साथ बचनबद्ध है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में चाहे वह प्यार हो या व्यवसाय हो या मित्रता हो, बचनबद्धता अवश्य होती है। यह जीवन में अनुशासन लाती है। हमारी शक्ति, क्षमता या कार्यकुशलता हमारी बचनबद्धता के समानुपाती होती है। यदि तुम अपने परिवार का पालन-पोषण करने की बचनबद्धता लेते हो तो तुम्हें उतनी शक्ति या क्षमता प्राप्त होती है। यदि तुम्हारी बचनबद्धता किसी समुदाय के प्रति है तो तुम्हें उतनी अधिक मात्रा में शक्ति , प्रसन्नता और क्षमता प्राप्त होती है। छोटी प्रतिबद्धता तुम्हें घुटन देती है, क्योंकि तुम्हारी क्षमता बहुत अधिक है, लेकिन तुम एक छोटे से छिद्र में फंसे हुए हो। जब तुम्हारे पास दस कार्य करने के लिए होते हैं और यदि एक कार्य गलत हो जाता है, तो तुम बाकी कार्यों को करते रह सकते हो।

संपादकीय

संविधान देता है महिलाओं को बराबरी का अधिकार...

एक सभ्य समाज, संस्था और व्यक्ति की पहचान इससे भी होती है कि वह सामान्य व्यवहार में किस तरह की भाषा का इस्तेमाल करता है। खासकर महिलाओं के बारे में उपयोग किए जाने वाले शब्दों, वाक्यों से उस समाज की मानसिकता का भी पता चलता है। इस मामले में भारत के अधिकतर समाजों में स्त्री के प्रति बहुत सारे असम्मानजनक शब्द चलन में हैं। वहीं शब्द धीरे-धीरे प्रशासनिक और अदालती कामकाज में भी घुसपैठ कर गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश ने ऐसे शब्दों की पहचान की और उन्हें अदालती भाषा से बाहर करने का फैसला किया। एक टीम बना कर ऐसे शब्दों की पहचान की गई, जो महिलाओं के लिए प्रायः समाज में रूढ़ और अपमानसूचक हैं। उन शब्दों की जगह प्रयुक्त हो सकने वाले शब्दों और वाक्यों के विकल्प भी तलाशे गए और फिर ''हैंडबुक आन कांबैटिंग जेंडर स्टीरियोटाइप'' शीर्षक से तीस पन्नों की एक पुस्तिका प्रकाशित की गई। इसमें उन शब्दों की

सूची दी गई है, जो अदालती कामकाज में प्रयोग होते रहे हैं। वे शब्द अदालती फैसलों तक में प्रयुक्त हुए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि उन रूढ़ हो चुके शब्दों के बजाय उनके सम्मानजनक विकल्पों का उपयोग किया जाए। यह पुस्तिका वकीलों और न्यायाधीशों दोनों के लिए है। यह पहली बार है जब किसी प्रधान न्यायाधीश का ध्यान अदालती भाषा में घुसपैठ कर चुके स्त्रियों के प्रति इस्तेमाल होने वाले रूढ़ और अपमानसूचक शब्दों की तरफ गया। इस साल महिला दिवस पर उन्होंने इसे लेकर न सिर्फ अफसोस जाहिर किया, बल्कि उन शब्दों को हटाने का उपक्रम भी किया। प्रधान न्यायाधीश ने पुस्तिका जारी करते हुए कहा भी कि महिलाएं पुरुष के अधीन नहीं, बल्कि संविधान में उन्हें बराबरी का हक है। उनके प्रति किसी भी ऐसे शब्द का उपयोग नहीं होना चाहिए, जिससे उनका सम्मान आहत होता हो। इस पहल से निस्संदेह अदालत की भाषा में महिलाओं की सम्मानजनक जगह बनेगी। यह उन तमाम संस्थाओं के लिए भी नजीर बनेगी, जो बिना सोचे-समझे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इसका असर बौद्धिक समाज और फिर उसके नीचे समाज पर भी दिखना शुरू होगा। दरअसल, शिक्षा का स्तर ऊंचा उठने के बावजूद महिलाओं के प्रति हमारे समाज का नजरिया संकीर्ण है। उन्हें अपमानित करने की मंशा से लोक और शास्त्रीय भाषा में भी बहुत सारे ऐसे शब्द गढ़ लिए गए हैं, जिन्हें गाली कहा जा सकता है। मगर इनके अलावा भी बहुत सारे ऐसे शब्द गढे गए हैं, जो अपमानजनक हैं और सामान्य कामकाज की भाषा में रूढ़ हो चुके हैं। मसलन, बिन व्याही मां। सर्वोच्च न्यायालय ने इसकी जगह केवल मां शब्द का प्रयोग करने का सुझाव दिया है। ऐसे शब्दों की लंबी सूची है। जब शीर्ष संस्थाएं भाषा को लेकर सावधानी बरतना शुरू करती हैं, तो उसका प्रभाव नीचे तक पहुंचता है और लोग सामान्य व्यवहार में भी उसे उतारना शुरू कर देते हैं। उम्मीद बनती है कि लोग अब महिलाओं के प्रति इन रूढ़ शब्दों से परहेज करेंगे। हमारे समाज में महिलाओं के प्रति लैंगिक भेदभाव के अनेक स्तर हैं, उनमें भाषा भी एक है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

असीम संभावनाएं

किसी भी बच्चे के भीतर रचनात्मकता की असीम संभावनाएं होती हैं। अगर उसे एक सीमित ढांचे के भीतर समेट दिया जाता है तो उसकी प्रतिभा भी उसी दायरे में सिमट कर रह जाती है। इसलिए बचपन और किशोरावस्था में ही रुचियों की पहचान करके अगर किसी बच्चे को उसकी रुचि के क्षेत्र में जानने-समझने और कुछ करने का अवसर दिया जाए तो पूरी संभावना है कि भारी तादाद में बच्चों की प्रतिभा सामने आएगी और उसका लाभ देश और समाज को मिलेगा। हालांकि शिक्षा व्यवस्था में यह एक बुनियादी पक्ष होना चाहिए और कुछ हद तक इसका खयाल रखा भी गया है, मगर अब सरकार औपचारिक रूप से इस दिशा में एक ठोस पहल करने जा रही है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय स्कूली विद्यार्थियों को वैज्ञानिक पद्धतियों और प्रयोगों से परिचित करा कर उन्हें अनुसंधान और खोज का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से ''प्रयास'' यानी 'प्रमोशन आफ रिसर्च एटीट्यूड इन यंग एंड एन्सपायरिंग स्टूडेंट्स' योजना शुरू करने जा रहा है। इस योजना का मकसद युवा विद्यार्थियों के बीच वैज्ञानिक चिंतन उत्पन्न करना और साक्ष्य आधारित विज्ञान प्रक्रिया, नवीनता और रचनात्मकता का विकास करना है। यह एक तथ्य है कि बच्चों और किशोरों में खोजने और सीखने की प्रक्रिया काफी तीक्ष्ण होती है। खासकर अगर पढ़ाई-लिखाई के दौरान उनकी रुचि के विषय को निर्बाध तरीके से विकसित होने दिया जाए तो उनकी रचनात्मकता अक्सर कुछ नया खोज लाती है। लेकिन हमारे यहां आमतौर पर निर्धारित पाठ्यक्रम ज्यादातर बच्चों के लिए शिक्षण के ढांचे का एक अनिवार्य हिस्सा होता है और उसी के मुताबिक उन्हें अपनी पढ़ाई पूरी करनी होती है। इसमें कई वैसे बच्चों की प्रतिभा दबी रह जाती है, जिनकी अभिरुचियों को सही दिशा और उसे समझने का अवसर नहीं मिल पाता है। बल्कि इसके उलट ऐसे मामले आम हैं, जिनमें स्कूली शिक्षा के दौरान कई बार अभिभावक बच्चों को ऐसे विषयों की पढ़ाई में झोंक देते हैं, जिसे उन्हें जबरन पढ़ना पड़ता है। यह मान लिया जाता है कि निर्धारित पाठ्यक्रम और अभिभावकों की इच्छा के मुताबिक ही बच्चों की शिक्षा-दीक्षा होनी चाहिए, उन्हें अपनी पसंद के विषय में कुछ नया समझने और सीखने के प्रति हतोत्साहित किया जाता है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसकी वजह से स्कूली शिक्षा के दौरान बहुत सारे बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का एक तरह से दमन हो जाता है। जो बच्चे ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नई खोज के वाहक बन सकते हैं, वे एक बने-बनाए रास्ते के यात्री बने रह जाते हैं। इस लिहाज से देखें तो 'प्रयास' की अहमियत इस रूप में दर्ज की जा सकती है कि इसमें व्यक्तिगत रूप से या समूहों में अनुसंधान या खोज करने के लिए विद्यार्थियों की क्षमता विकास पर जोर दिया गया है। दरअसल, बच्चे सबसे ज्यादा अपने आसपास के वातावरण को देख-समझ कर सीखते हैं। शायद यही वजह है कि इस योजना के तहत किसी स्थानीय समस्या की पहचान और उसका अध्ययन करने, इसके पीछे के वैज्ञानिक कारणों की जांच करने और समाधान खोजने के साथ-साथ किसी विचार, कल्पना या अवधारणा पर शोध करने पर जोर दिया गया है।

प्रताप नगर में निकली दीक्षार्थियों की बिनौली यात्रा, श्रावको ने की गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

शहर के दक्षिण भाग के प्रताप नगर सेक्टर 8 स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में दो जैन दीक्षार्थियों की भव्य बिनौली यात्रा और गोद भराई का कार्यक्रम शनिवार 19 अगस्त को आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। ब्रह्मचारी राजकुमार गंगवाल की 23 अगस्त को राजधानी के आमेर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय श्री 108 उर्जयन्त सागर महाराज के करकमलों द्वारा संपन्न होगी और ब्रह्मचारिणी विमला दीदी की कर्नाटक के श्रवणबेलगोला (गोमटेश्वर बाहुबली) में गणिनी आर्यिका रत्न विशुद्धमति माताजी की शिष्या गणिनी आर्यिका रत्न विशिष्टमति माताजी के द्वारा विजय दशमी वाले दिन जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी। श्री पुष्प वषायोग समिति कार्याध्यक्ष दुगार्लाल जैन और मुख्य समन्वयक गजेंद्र बड़जात्या ने बताया की शनिवार को सायं 6.15 बजे से संत भवन में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दोनो दीक्षार्थियों का परिचय करवाया गया साथ ही समाज गणमान्य श्रेष्ठीजन ने अपना संबोधन दिया, इसके उपरांत भगवान शांतिनाथ स्वामी व आचार्य सौरभ सागर महाराज की मंगल आरती की गई। जिसके बाद श्री पुष्प वषायोग समिति, शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति, जैन महिला मंडल, जैन युवा मंडल, विशुद्ध वर्धनी बहु कला मंडल और धर्म जागृति महिला मंडल सहित जयपुर जैन समाज के गणमान्य राजीव जैन गाजियाबाद वाले, रमेश आलोक जैन तिजारिया, कोषाध्यक्ष धर्मचंद जैन, राजस्थान जैन सभा कार्यकारिणी सदस्य जितेंद्र गंगवाल, प्रचार संयोजक सुनील साखुनियां, चेतन जैन निमोडिया, बाबूलाल जैन इटुंदा, महेश सेठी, कमल सौगाणी, नरेंद्र जैन आंवा वाले, राजेंद्र सोगानी, सहित बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह की मौजूदगी में सायं 7.30 बजे दिक्षार्थियो को रथ में बैठाकर बैंड-बाजों और जयकारों के साथ नगर यात्रा निकाल बिनौली यात्रा करवाई गई, यह यात्रा संत भवन से प्रारंभ होकर विभिन्न मुख्य मार्गो से होते हुए मंदिर जी पर आकर संपन्न हुई। अंत में रात्रि 8.30 बजे मंदिर प्रांगण पर प्रताप नगर सेक्टर 8 जैन समाज की ओर से समिति अध्यक्ष कमलेश जैन और मंत्री महेंद्र जैन सहित कार्यकारिणी की उपस्थिति में दीक्षार्थियों की गोद भराई कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसके पश्चात समाज बंधुओ द्वारा गोद भराई की गई। कार्यक्रम में उपाध्याय ऊर्जयंत सागर जी मुनिराज वर्षा योग समिति के महावीर फागी वाले दौलत जी व अशोक छाबडा भी उपस्थित थे।

मूक परिंदो की पिंजरों से आजादी के लिए शुरू किए गए अभियान "बर्ड फ्रीडम डे" की आवाज गूंजी अमेरिका में

जयपुर. शाबाश इंडिया

इस वर्ष बर्ड फ्रीडम डे की दसवीं वर्षगांठ सितंबर माह के दूसरे रविवार 10 सितंबर को मनाई जाएगी और इस बार इसकी शुरूआत अमेरिका के शिकागो शहर से हो गई है। अमेरिका से इस अभियान को शुरू करने के लिए अनेक भारतीय एनआरआई आगे आए। सम्पूर्ण विश्व से मूक परिंदो को पिंजरों से आजादी दिलाने के उद्देश्य से भारतीय मूल की चार्टेड अकाउंटेंट श्रीमति सौम्या विजयवर्गीय ने शिकागो में बच्चों चित्रकला प्रतियोगिता कराकर बर्ड फ्रीडम डे विषय पर चित्रकला प्रदर्शनी का भारतीय समयानुसार रविवार दिनांक 20 अगस्त को सुबह 5 बजे किया आयोजन (अमेरिका के समय 19 अगस्त शनिवार शाम 6 बजे) जिसमे विभिन्न एनआरआई बच्चो के साथ अमेरिकन बच्चों और उनके पैरेंट्स ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में भारत से अभियान के संस्थापक विपिन कुमार जैन ने वीडियो कोंफर्न्स के जरिए सभी को पक्षियों को पिंजरों में कैद नही रखने की शपथ दिलाई। भारत से इस कार्यक्रम का संयोजन सेवा निवृत बैंक अधिकारी विद्याभूषण मल्होत्रा ने किया। सभी के सम्मिलित प्रयासों से मूक परिंदो की पिंजरोंसे आजादी की आवाज ''बर्ड फ्रीडम डे'' के रूप में अब विश्व आवाज बन चुकी है। अब यह आशा और प्रबल हो गई है की जल्द ही सम्पूर्ण विश्व में निकट भविष्य में सभी पंछी आकाश में स्वतंत्र विचरण कर सकेंगे।

पक्षी स्वतंत्रता दिवस का उत्सव 19 अगस्त को उत्साह से शिकागो में मनाया

पक्षी स्वतंत्रता दिवस का उत्सव 19 अगस्त, 2023 को उत्साह से मनाया गया। CA सौम्या और इंजीनियर वरुण विजयवर्गीया द्वारा आयोजित 18 प्रतिभागियों के समूह के साथ, यह कार्यक्रम 13 भारतीय अमेरिकी, 2 मंगोलियन अमेरिकी और 3 अन्य अमेरिकी बच्चों ने भाग लिया। 5 अगस्त से आरंभ दो सप्ताह के उत्सव के समापन पर यह

कार्यक्रम आयोजित किया। बच्चे इस उत्सव में सक्रिय रूप से शामिल थे, जिसने सभी शामिल लोगों के लिए एक शैक्षिक और आनंदमय अनुभव बना दिया। प्रतियोगियों के परिवारों और समुदाय के सदस्यों के साथ, बच्चे गर्व से अपने पक्षियों के बारे में नई जानकारी प्रदर्शित की ।पुरस्कार न केवल उनके प्रयासों की पहचान के रूप में काम किया बल्कि इन पंखी जीवों के कल्याण में योगदान को और भी प्रेरित किया। पक्षी स्वतंत्रता दिवस के प्रतिष्ठित आयोजक CA सौम्या और इंजीनियर वरुण विजयवर्गीया ने समुदाय के प्रति अपनी आभार व्यक्त किया। उन्होंने पक्षी संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए जारी प्रयासों की आवश्यकता को बल दिया।

बंधन ग्रुप की दो दिवसीय प्रदर्शनी का समापन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राखी के पावन त्यौहार पर जयपुर शहर के बंधन ग्रुप द्वारा आयोजित प्रदर्शनी की श्रृंखला में दिगंबर जैन मंदिर सेक्टर 3,मालविया नगर जयपुर में अंतिम दो दिवसीय प्रदर्शनी का आज समापन हुआ।समापन दिवस पर दैनिक समाचार जगत से चक्रेश जैन, दिगंबर जैन सोशल ग्रुप राजस्थान रीजन फेडरेशन के अध्यक्ष राजेश बड़जात्या ने आयोजकों एवम प्रदर्शनी में स्टॉल लगाने वाली महिलाओ को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ते रहने की शुभकामनाएं प्रेषित की। समापन दिवस पर दिगंबर जैन सोशल ग्रुप स्वस्तिक के निदेशक एवम दिगंबर जैन महासमिति के संचालक मंडल के सदस्य श्री अशोक कुमार जैन ने बंधन ग्रुप के आयोजको एवम प्रदर्शनी में भाग लेने वाली महिलाओ को इस प्रदर्शनी की अपार सफलता के लिए बधाई दी।राखी के त्यौहार के शुभ अवसर पर जयपुर शहर के बंधन ग्रुप द्वारा महिलाओं को एक ही स्थान पर विभिन्न उत्पादों हेतु प्रदर्शन एवम बिक्री का अवसर प्रदान किया गया।

जैन व्यापार मेले का भव्य शुभारंभ हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति के तत्वावधान में दो दिवसीय जैन व्यापार मेले का शुभारंभ हुआ। समिति के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया ने मंत्रोचार के साथ व्यापार मेले का शुभारंभ किया' इस अवसर पर सांगानेर विधानसभा के जनसेवक पुष्पेंद्र भारद्वाज भी मेले का अवलोकन करने के लिए पधारे। जिनका समिति के अध्यक्ष ने स्वागत किया समिति के मंत्री राजेंद्र सेठी ने बताया कि व्यापार मेला के संयोजकगण जम्मू सौगाणी मनोज जैन अशोक सेठी राजेश काला सभी ने पूरी लगन के साथ मेले को सफल बनाने में योगदान दिया।

भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण महोत्सव 23 को

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई. कासं। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि शुद्ध सागर महाराज के सानिध्य में बिचला जैन मंदिर के शांतिनाथ भवन पर भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के मोक्ष कल्याणक दिवस पर 23 अगस्त को अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा मण्डल विधान आयोजित करके भगवान पार्श्वनाथ के गाजेबाजे के साथ निर्वाण लड्डू चडाय़ा जाएगा। इसी तरह पार्श्वनाथ जैन मंदिर शिवाजी कालोनी एवं नसियां जैन मंदिर सहित शहर के सभी जिनालयों मे भगवान पार्श्वनाथ की संगीत के साथ पूजा अर्चना की जाएगी। इस दौरान रविवार को मुनि शुद्ध सागर महाराज ने धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को इच्छाओं का विरोध करके भगवान की भक्ति करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुण्य की प्राप्ति से ही फल की प्राप्ति होती हैं व्यक्ति के पुण्य के चलते ही छप्पर फाड़कर मिलता हैं। मुनि शुद्ध सागर महाराज ने रविवार को शांतिनाथ भवन में श्रद्धालुओं को कहा कि संसार में पाप और पुण्य की ही लीला है इसलिये पुण्य की प्राप्ति चाहते हो तो इच्छाओं का दमन करें।

लाइट-कैमरा एंड क्रिएटिविटी

वीआईएफटी कॉलेज में विश्व फोटोग्राफी दिवस पर दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। वर्ल्ड फोटोग्राफी दिवस के खास मौके पर यूआईटी सर्किल स्थित साईं तिरुपति यूनिवर्सिटी के वीआईएफटी कॉलेज में डिजिटल एरा में कैमरा टेक्निक और रोल ऑफ लाइट एंड क्रिएटिविटी विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का समापन शनिवार को हुआ। इसमें वरिष्ठ पत्रकार और फोटोजर्नलिस्ट राकेश शर्मा 'राजदीप' ने प्रतिभागियों को पारम्परिक व आधुनिक युग की फोटोग्राफी विधा और तकनीक के बारे में बताया। इसी क्रम में डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ देवर्षि मेहता ने फोटो एडिटिंग के डिजिटल टूल और फोटोग्राफी द्वारा आर्थिक लाभ पर चर्चा की। संघ चैयरपर्सन आशीष अग्रवाल ने बताया कि मेंटॉर के दिशा निर्देशन में वैकंटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी एंड मास कम्युनिकेशन (वीआईएफ टी) में ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी रखी गई जिसमें विजेताओं को पुरस्कार तथा सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र दिए गए। (अलग से बॉक्स लगा सकते हैं) ऑन द स्पॉट फोटोग्राफी कंपीटीशन के विजेता..... प्रथम - साहिल, द्वितीय - हिमांशी, तृतीय - आशीष, सांत्वना पुरस्कार - तसनीम और यामिनी.....अंत में प्रिंसिपल विप्रा सुखवाल और विभागाध्यक्ष नरेन गोयल ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। **रिपोर्ट/फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'।**

समय को साध लिया तो जीवन संवर जाएगा: साध्वी प्रितीसुधा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

समय को साध लो जीवन संवर जाएगा। शनिवार अहिंसा भवन शास्त्री नगर को साध्वी प्रितीसुधा ने श्रावक श्राविकाओ को धर्म उपदेश प्रदान करतें हुए कहा कि समय का कौई भरोसा नहीं फिर भी मनुष्य संसार कि वस्तुओं मे जीवन के सुख को ढुढ रहा है।जबकि वस्तुओं से आत्मा को सुख कि प्राप्ति नहीं होने वाली। आत्मा तब सुख भोग सकती है जब मनुष्य प्रमाद का त्याग करके समय का सदउपयोग करेगा तो आत्मा को सुख दिला सकता है। वरना अंत समय उसे प्रश्चाताप के अलावा कुछ नहीं मिलने वाला है। यह समय किसी के लिए कभी रुकता नहीं है। समय रेत के जैसा होता है। एक बार हांथ से फिसल जाए तो फिर वापस उसे अपनी मुट्ठी काबू नहीं रख सकते है। समय अमूल्य है इसे यूही व्यर्थ नहीं गंवाए। साध्वी मधु सुधा ने कहा कि जो व्यक्ति समय रहतें जागरूक होकर साधना मे लग जाता है वो मनुष्य जीवन को सार्थक बनाकर आत्मा को भव सागर पार करवा सकता है। इस दौरान प्रवचन सभा मे अनेक भाई बहनों ने साध्वी उमराव कंवर से उपवास आर्यंबिल एकासन व्रत के प्रत्याख्यान लिए। तपस्वीयों और धर्मसभा मे पधारे मेहमानों का श्रावक संघ के हेमन्त आंचलिया,अशोक पोखरना, रिखबचंद पीपाड़ा, सुशील.चपलोत संदीप छाजेड़, कुशलसिंह बूलिया, सरदारसिंह कावड़िया, अमरसिंह संचेती,ओमप्रकाश सिसोदिया, सुंदरलाल बापना एवं महिला मंडल कि नीता बाबेल, मंजू बापना, रजनी सिंघवी, मंजू पोखरना, सरोज मेहता आदि सभी ने स्वागत समान किया। निलिष्का जैन ने बताया कि मरूधर केसरी मिश्रीमल जी महाराज एवं लोकमान्य संत रूपचन्द जी महाराज जन्म जयंती समारोहों पंचदिवस कार्यक्रम के रूप मे दिनांक 23 अगस्त से 27 अगस्त तक अहिंसा भवन शास्त्रीनगर मे भव्य रूप के साथ साध्वी प्रितीसुधा के सान्निध्य मे जन्म जयंती मनाई जाएगी। **प्रवक्ता निलिष्का जैन, भीलवाड़ा**

तकरीबन हर शहर के प्रमुख चौराहों पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों की सख्ती के बावजूद यातायात नियमों का सरेराह उल्लंघन करते ये नजारे आम हैं। दुपहिया वाहनों पर तीन चार सवारी बिठा कर फर्राटा भरते, गलत दिशा में वाहन चलाते और बिना नम्बर की गाड़ी दौड़ाते इन मनमौजियों की लापरवाह हरकतों पर चुप्पी जिम्मेदारों पर सवालिया निशान लगाती है। आमजन हैरान हैं कि आखिर क्यों इन पर सख्त कार्रवाही नहीं की जाती है? प्रस्तुत चित्र में एक दुपहिया वाहन की नंबर प्लेट पर जाति विशेष लिखकर तीन युवा शहर के मुख्य मार्ग से गुजर रहे हैं। - **राकेश सोनी, उदयपुर**

नेट थिएट पर गुलजार की कहानी डलिया मंचित

महिलाओं की सामाजिक दशा को उकेरने करने का प्रयास

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला मैं आज प्रसिद्ध शायर और साहित्यकार गुलजार की कहानी पर आधारित नाटक ''डलिया'' का सशक्त मंचन किया गया। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि रंगकर्मी रेनू सनाढ्य ने अपने अभिनय के माध्यम से समाज में व्याप्त बुराइयों और सामंतवादी लोगों का निम्न स्तर पर अत्याचार एवं शोषण को बहुत ही सहज तरीके से प्रस्तुत कर इस नाटक में जान डाल दी। ''कथासार'' : डलिया कहानी मशहूर शायर गुलजार की कहानी है। डलिया नाटक की नायिका का नाम है। इस कहानी के माध्यम से गुलजार ने महिलाओं के सामाजिक दशा को उकेरने का प्रयास किया है जिसमें सामंतवादी लोगों का निम्न समाज के लोगों पर अत्याचार एवं शोषण को दिखाया गया है। डलिया एक गरीब महिला है जिसका पति मजदूरी कर के मुश्किल से घर चला पता है। उसी गाँव का एक जमींदार डलिया पर गलत नजर रखता है और अपनी पत्नी की सेवा के बहाने से उसे अपनी हवेली बुलाता है जहाँ नीति ताई अपनी आपबीती बताते हुए कहती है की एक बार यहाँ आई तो फिर कहीं और जाने के लायक नहीं बची। डलिया हवेली के ठीक पेट के बीच बौरई सी देखती रह जाती है। कार्यक्रम में स्वदेश ग्रामीण विकास लिमिटेड के निदेशक भूपेंद्र सिंह शेखावत ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन रंगकर्मी मनोज स्वामी ने किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, प्रकाश और कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच व्यवस्था जीवितेश शर्मा और अंकित शर्मा नोनू की रही।

गोल्ड परिवार की ओर से मॉडर्न स्कूल के बच्चों का आंखो और दांतो का चेकअप करवाया गया

जयपुर। जेएसजी इंटरनेशनल फेडरेशन और नॉर्थन रीजन के तत्वावधान में जे एस जी गोल्ड की ओर से सेवा सप्ताह के तहत 17 अगस्त को आंखो और दांतो के चेकअप का कैंप आयोजित किया गया। कैंप मॉडर्न पब्लिक स्कूल, मेहता मार्ग, गलता रोड, जयपुर पर लगाया गया। स्कूल के निदेशक बाबूलाल निर्मला जैन ने बड़ी ही आत्मीयता से सभी का स्वागत किया।कार्यक्रम संयोजक डॉ गौरव जैन एवं अक्षत पाटनी ने अपना पूरा समय देते हुए कैंप की व्यवस्थाओं को माकूल अंजाम दिया। आई कैंप की टीम SIGHT FIRST FOUNDATION की ओर से आई थी, जिसका नेतृत्व अभिनव मेहरवाल ने किया, इस टीम के पंकज यादव, एकता राजपुरोहित और साहिल यादव ने बच्चों की आखों की जांच और साथ में आंखो की केयर कैसे करे, इस बात को बच्चों को सही तरीके से समझाया।दांतो की जांच SHREE KRISHNA KRIPA MULTISPECIALITY DENTAL HOSPITAL के माध्यम से की गई। इस टीम का नेतृत्व डा अंकुर गोयल और डा प्रीति गोयल ने किया। इस टीम के डा हसीब राजा सहर, डा मोहित शर्मा, डा ओमेंद्र, डा चैतन्य और रवि ने अपनी सेवाएं देते हुए बच्चों के दांतो की जांच की ओर उन्हे बच्चों को दांतो की सुरक्षा के उपाय बताएं। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि जेएसजी ईंट. फेडरेशन के निदेशक और नॉर्थन रीजन के पूर्व चेयरमैन सी एस जैन का भावभीना स्वागत किया गया।

संगिनी मैन ने किए विविध सेवा कार्य

उदयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप मेन उदयपुर द्वारा फेडरेशन सेवा सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के सेवा कार्यक्रम किए जा रहे हैं। जीव दया के लिए महावीर स्वाध्याय एवं साधना केंद्र अंबामाता में लाजवंती जी धाकड़ एवं संगिनी ग्रुप द्वारा कबूतरों के दाना-चुग्गा के लिए आर्थिक सहयोग किया गया। कमला नलवाया ने महाकालेश्वर गौशाला में गायों को हरी घास खिलाई गई। एनिमल एड चैरिटेबल ट्रस्ट को बीमार पशुओं के इलाज के लिए सरोज बोलिया द्वारा राशि भेंट की गई व सरोज तलेसरा ने 25 किलो गुड भेंट किया गया। मेहता चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संगिनी मेन के बेनर तले राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बुजड़ा व राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बलाफला के छात्रों को स्टेशनरी वितरित की गई जिसमे कॉपियाँ पेन, पेंसिल,रबर,शॉपनर के साथ ही छात्रों को बिस्किट भी वितरित किए गए। दोनों विद्यालय में आम के 10 पेड़ लगाए गए। छात्रों को लगाने के लिए भी आम के पौधे दिए गए। ग्रुप द्वारा कल जैन परिवार की चार बालिकाओं को उनकी शिक्षा हेतु पाँच-पाँच हजार की राशि प्रदान की जाएगी व जरूरत मंद परिवार को खाद्य सामग्री व बीमारी के ईलाज हेतु भी सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जिनशरणं महाराष्ट्र में फरवरी 2024 में होगा ऐतिहासिक पंचकल्याण

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य भारत गौरव जिनशरणम प्रणेता आचार्य श्री 108 पुलक सागर जी गुरुदेव ससंघ के सानिध्य में 17 फरवरी 2024 से 22 फरवरी 2024 तक जिनशरणम पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाएगा। पुलक चेतना मंच एवं महिला जागृति मंच की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या ने अवगत कराया कि यह पंचकल्याणक इतिहास में पहली बार होगा कि 24 मानस्तंभ में 1008 जिनबिम्ब पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा स्थापित होगी। विराजित होने वाली 1008 प्रतिमाओं को निहारते हुए गुरुदेव ने मूर्तियों में प्रशस्ति लिखी, जिन जिन महानुभावों ने 1008 मूर्ति में अपना पुण्यार्जन किया है वह शीघ्रता से अपना रसीद नंबर, दिनांक, पूरा नाम, एड्रेस एवं मोबाइल नंबर जिन शरणं क्षेत्र पर भेजें। 19 अगस्त को प्रातः प्रताप नगर में आयोजित धर्मसभा में परम पूज्य आचार्य सौरभ सागर जी महाराज के सानिध्य में एवं अभिषेक एवं शांति धारा के पश्चात जैन मंदिर गायत्री नगर महारानी फार्म में जिनशरणं पंचकल्याणक का पोस्टर विमोचन कराया गया।

26 विभूतियों को समाज रत्न सम्मान से नवाजा गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। चैंबर ऑफ कॉमर्स सभागार में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रदेश की 26 विभूतियों को समाज रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया` मुख्य अतिथि सोलर पावर विशेषज्ञ राकेश विश्वास, विशिष्ट अतिथि परमार्थ समिति के अध्यक्ष श्याम विजय ,समारोह अध्यक्ष भगवान गट्टानी ,कार्यक्रम प्रमुख अभय नाहर एवं संयोजक कमल लोचन ने साफा , दुपट्टा, समाज रत्न मेडल और स्मृति चिन्ह प्रदान कर प्रतिभाओं को यह सम्मान प्रदान किया। दिव्यांग प्रतिभा अक्षय भटनागर, समाजसेवी अमोलक बेरवा एवं भंवरलाल जांगिड़, शिक्षा के लिए दीप कवर, योग क्षेत्र में ढाका राम, कुंदन मीनाकारी के लिए डॉ इंदर सिंह कुदरत, जन जागृति के लिए कोमल जटिया, स्वास्थ्य जागरूकता के लिए लालचंद रैगर, चिकित्सा सेवा के लिए ललिता टॉक, चित्रकला के लिए मधुकर महाजन ,दिव्यांग सेवा के लिए पीयूष गोस्वामी, योग के लिए पूर्वी विजयवर्गीय, एक्यूप्रेशर क्षेत्र के लिए डॉ प्रश्न सिंह सिंघवी ,मेडिटेशन एवं फोटोग्राफी के लिए रजिंदर कौर ,शिक्षा के लिए राजेश भारद्वाज, तारकशी कला के लिए राजेश कुमार जांगिड़ ,स्पोर्ट्स के लिए रमा पांडे, नशा मुक्ति अभियान के लिए रामदेव सिंह, अनदान क्षेत्र के लिए रामावतार माहेश्वरी, शिक्षा जागरूकता के लिए राकेश कुमार कल्ला, महिला सशक्तिकरण के लिए रश्मि नामदेव, हॉलिस्टिक डेवलपमेंट के लिए डॉ ऋतु सक्सैना ,कैंसर उन्मूलन के लिए सुधींद्र गेमावत ,महिला शिक्षा के लिए ताराचंद गुप्ता ,ज्योतिष क्षेत्र में विजय कुमार गोयल तथा जीव दया के क्षेत्र में वीरेंद्र मेहता को यह सम्मान प्रदान किया गया। कमल लोचन ने बताया कि पूरे देश से 429 प्रविष्टियां सम्मान हेतु प्राप्त हुई थी उनमे से 26 को आज समारोह में सम्मानित किया गया। संस्था का यह 26 वा सम्मान समारोह था। सम्मानित के नाम की घोषणा रितु लोचन, रवि खत्री, सौम्यता अशोक पोखरना ने की ।

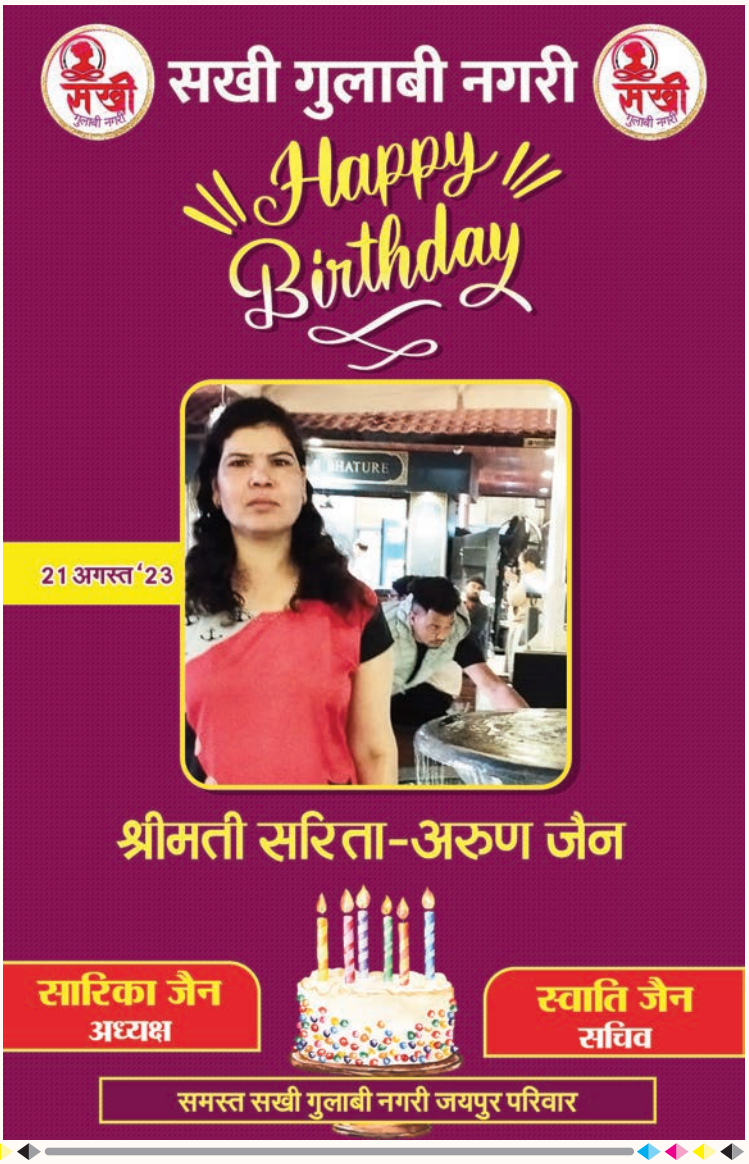

जेकेके में फोटोग्राफी के महाकुंभ नजर फोटो एग्जीबिशन का उत्साहपूर्ण समापन

उदयपुर. शाबाश इंडिया

वर्ल्ड फोटोग्राफी डे के अवसर पर जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित तीन दिवसीय नजर फोटो एग्जीबिशन का समापन रविवार को हुआ। इस अवसर पर विजेताओं सहित प्रतिभागियों को मेडल व सर्टिफिकेट्स देकर सम्मानित किया गया। एग्जीबिशन संरक्षक, और आयोजक रेणुका कुमावत ने बताया कि इस सीजन नजर फोटो एग्जीबिशन की विजेता का खिताब उदयपुर की भूमिका बोलिया ने जीता। दूसरे स्थान पर जोधपुर के गोपाल शर्मा और तीसरा स्थान जयपुर के योगेंद्र यादव को मिला। इसके अतिरिक्त फोटो जर्नलिस्ट श्रेणी उदयपुर के राकेश शर्मा राजदीप, जयपुर के मनोज श्रेष्ठ और इंदौर के मनीष विजेता रहे। इसके अलावा स्पेशल फीमेल कैटेगरी में प्रथम स्थान जोधपुर की अनीता शर्मा को मिला, द्वितीय स्थान पर हर्षिता और तृतीय स्थान उदयपुर की आशा सोनी रहीं। इसी श्रेणी में दो जजेज च्वाइस अवार्ड क्रमशः जोधपुर की निकिता शर्मा और जयपुर की विदुषी धाकड़ को दिए गए। बता दें, विजेताओं का चयन तीन सदस्यीय जूरी पुरूषोत्तम दिवाकर, हिमांशु व्यास और सुरेंद्रसिंह चौहान ने किया। समापन समारोह में महात्मा ज्योतिबा फुले यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन निर्मल पंवार और होटल सफारी एमडी, राघव गोयल ने प्रतिभागियों को अवार्ड, मेडल और सर्टिफिकेट प्रदान किए। इस अवसर पर आरएएस पंकज ओझा और आईएएस नवीन जैन भी उपस्थित रहे। आखिरी दिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की पुत्रवधु हिमांशी गहलोत और पोती कश्विनी ने भी एग्जिबिशन को विजिट किया। गौरतलब है कि तीन दिवसीय एग्जीबिशन के दौरान नजर फोटोग्राफी एग्जीबिशन और टीटूप्रिंट्स जयपुर की ओर से एक पहल की गई थी, जो कि विजिटर्स के बीच मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। इसके तहत एग्जीबिशन में आने वाले सभी विजिटर्स और प्रतिभागियों को उनकी तस्वीर खींचकर और निशुल्क प्रिंट कराकर भेंट की गई। गौरतलब है एग्जीबिशन में 200 से अधिक फोटोग्राफर्स की 350 से ज्यादा तस्वीरों को डिस्प्ले किया गया। एग्जीबिशन में राजस्थान सहित देशभर के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े शौकिया फोटोग्राफर्स, फोटो जर्नलिस्ट, फैशन फोटोग्राफर, वाइल्ड लाइफर, स्ट्रीट फोटोग्राफर्स, डॉक्टर्स, ब्यूरोक्रेट्स और स्टूडेंट्स ने विविध विषयों पर आधारित छायाचित्र भेजे।

रिपोर्ट/ फोटोः
राकेश सोनी, उदयपुर

संसार में रहकर भी आत्मा पर नहीं लगने दें दाग, साफ कर लो अपने भीतर की गदंगी : समकितमुनिजी

हमारे भीतर जितना कम मैलापन बाहर होगा उतना कम क्लेश। अंतर मन शुद्धि के लिए तीन दिवसीय शिविर का समापन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

पूना। चतुर श्रावक/श्राविका वहीं होते है जो संसार में रहकर भी आत्मा पर दाग नहीं लगने देते है। आदर्श श्रावक उस बादल के समान होते है जो खारा पानी लेकर मीठा पानी बरसाता है वैसे कुटता लेकर मधुरता प्रदान करते है। जैसे माली पौधे का ध्यान रखता है उसी तरह श्रावक अपनी आत्मा का ध्यान रखे। श्रावक का जीवन दर्पण के समान होना चाहिए यानि कथनी ओर करनी में कोई अंतर नहीं रहना चाहिए। आदर्श श्रावक का जीवन जीने पर भीतर गदंगी जमा होने की आशंका बहुत कम हो जाएगी। समय-समय पर इनर क्लीनिंग कर अपना इनर वर्ल्ड मजबूत बनाते रहे। ये विचार पुण्यनगरी पूना के आदिनाथ सोसायटी जैन स्थानक भवन ट्रस्ट के तत्वावधान में पारख धर्मसभा मण्डप में श्रमणसंघीय वरिष्ठ सलाहकार सुमतिप्रकाश महारासा के सुशिष्य आगमज्ञाता प्रज्ञामहर्षि श्री डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने रविवार को इनर वर्ल्ड (अंतरात्मा) को मजबूत (स्ट्रॉंग) बनाने इनर क्लीनिंग (अंतर मन शुद्धि) के लिए तीन दिवसीय विशेष शिविर के अंतिम दिन व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इनर क्लीनिंग से हमारे भीतर की गदंगी दूर होने पर आत्मा संसार सागर में डूबेगी नहीं। इनर क्लीनिंग से भीतर का कचरा साफ होने के साथ आत्मा व शरीर स्वयं को हल्का महसूस करते जाएंगे। भीतर जितना कम मैलापन होगा बाहर उतना ही कम क्लेश होगा। भीतर की सफाई के बिना बाहर शांति कायम नहीं रह सकती। मुनिश्री ने शुरू में इनर वर्ल्ड मजबूत बनाने के लिए इनर क्लीनिंग का अभ्यास कराते हुए कहा कि आंखें बंद कर ये महसूस करें कि मेरे भीतर अनंत शांति का सागर लहरा रहा है। अनंत आनंद का दरिया बह रहा है। अनंत सागर का भाव बह रहा है। इस तरह की भावना मन में महसूस करेंगें तो स्वयं को बहुत सहज व हल्का महसूस करेंगे।